नवभारत
पुणे, शनिवार, दि.१४ एप्रिल २०१८

देश में रेल इंजीनियरों की कमी

चर्चासत्र में हुआ खुलासा

संवाददाता

पुणे. सार्वजनिक यातायात क्षेत्र में अहम भूमिका निभानेवाली भारतीय रेल को अधिक सक्षम बनाना एवं समाजपयोगी के लिए रिसर्च होना जरुरी है. जिसके लिए प्रशिक्षित एवं कुशल मानवसंसाधनों की काफी आवश्यकता है. इस कमी को पूरा करने एमआईटी रेल इंजीनियरिंग महाविद्यालय सबसे अहम भूमिका निभाएंगी. ऐसी आवाज माईर्स एमआईटी कॉलेज ऑफ रेलवे इंजीनियरिंग एंड रिसर्च कॉलेज की ओर से आयोजित चर्चासत्र में गूंजी.

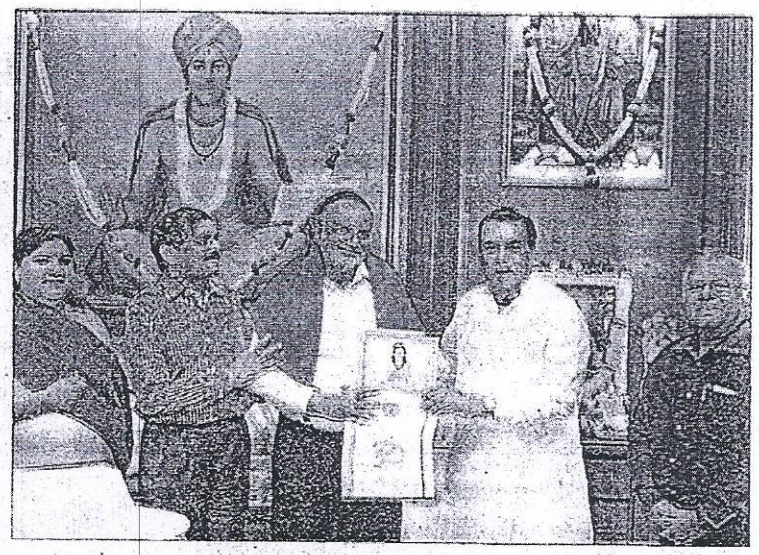

श्रीनिवास उडीपी हुए शामिल

इस मौके पर जे.एस. मुंड्री ने कहा, भारतीय रेल सार्वजनिक यातायात सेवा में एक महत्वपूर्ण है. उसे अधिक सक्षम बनाने के लिए कुशल मानवसंसाधन निर्माण करने की जरूरत है. एरोनाटिकल एवं नेवल का प्रशिक्षण देने वाली संस्था बड़े पैमाने पर उपलब्ध है. लेकिन, रेल के लिए आवश्यक कुशल मानव संसाधन निर्माण के लिए प्रशिक्षण देनेवाली संस्था गिने चुने है.

MIT रेलवे इंजीनियरिंग कॉलेज करेगा पूरा

इस चर्चासत्र में भारतीय रेल के सलाहकार एवं भारतीय रेल के सिविल इंजीनियरिंग बोर्ड के पूर्व सलाहकार जे.एस. मुंड्री, बंगलुरू स्थित पीच इंजीनियरिंग प्रा.लि. के अध्यक्ष श्रीनिवास उडीपी, हैदराबाद मेट्रो के सलाहकार एम.आर. रामकृष्णन, बंगलुरू स्थित इन्फोसिस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. एम.एस.एस. प्रभू, पुणे स्थित रेल के पूर्व अधिकारी तथा सलाहकार नीरज जैन, बंगलुरू स्थित पीच इंजीनियरिंग प्रा.लि. की संचालिका तिलोत्तमा श्रीनिवास, इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ सिविल इंजिनियरिंग के अधिष्ठाता एस.के. बन्सल, एमआईटी विश्वशांति विश्वविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष प्रा.डॉ. विश्वनाथ दा. कराड, माईर्स एमआईटी की कार्यकारी संचालिका प्रा. स्वाति कराड-चाटे, माईर्स एमआईटी कॉलेज ऑफ रेलवे इंजीनियरिंग एंड रिसर्च मेंटॉर डॉ. सुभाष आवले तथा प्राचार्य डॉ. अतुल आयरे शामिल हुए थे.

■ प्रा.स्वाती कराड-चाटे ने कहा, सारी दुनिया में रेल सेवा तेजी से विकसीत हो रही है. लेकिन वर्तमान दौर में इस क्षेत्र में कुशल मानवसंसाधन की बड़ी मांग है.

■ जिसे एमआईटी के इस कॉलेज के जरिए ही पूर्ण हो सकती है. एम.आर.रामकृष्णनने कहा, देश के हर मेट्रो शहर में सार्वजनिक यातायात के लिए मेट्रो की सुविधा मुहैया कराई जा रही है.

■ उसी तरह फिलहाल देश के 9 जगहों पर मेट्रो का कार्य बड़े पैमाने पर शुरू है. उसके लिए उचित एवं प्रशिक्षित इंजीनियर एवं अन्य विभगों के कर्मीयों की काफी जरुरत है. नीरज जैन ने कहा, अगले दौर में देश में रेल विनिर्माण के कारखानों संख्या बढ़ेगी.

■ जिसके लिए मेकॅनिकल, सिविल, इलेक्ट्रीकल जैसे अन्य विभाग के इंजीनियरियर्स की जरुरत होगी. साथ ही रेल में नए रिसर्चर टीम की आवश्यकता है.

जनसंपर्क विभाग, माईर्स एमआयटी, पुणे.